# सावधान! महाराज पधारेंगे

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

# पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 48 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 6 मई 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

## कम मतदान का हिसाब लगा रहे हैं

**कार्यालय प्रतिनिधि**

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम 4 जून को आएंगे लेकिन 'सावधान! महाराज पधारेंगे' जैसे बात पार्टी स्तर पर फैलाई जाने लगी है। एनडीए और इण्डिया गठबन्धन देशभर में चुनाव के गुणा-भाग का हिसाब लगाने लगे हैं। यह स्वाभाविक है कि जिसे जो प्रत्याशी या पार्टी पसन्द है उसे वही विजय रथ पर आभास होने लगा है परन्तु सच्चाई तो यह भी है कम मतदान का परिणाम किसके पाले में जाएगा यह उलझन भरा है।

देश भर में अलग-अलग चरणों में हो रहे मतदान का आंकलन, टीवी चैनलों में चल रही बहसबाजी और यूट्यूब में खोज-खोज के फैलाए जा रहे सर्वेक्षणों को टटोल रहे आम व खास लोग यह तो स्वीकार रहे हैं कि इस बार के चुनाव से चुनाव लड़ने और प्रचार का तरीका बदल चुका है। साथ ही आने वाले समय की तस्वीर बदलने वाली है।

उत्तराखण्ड में मात्र पाँच लोकसभा सीटें हैं लेकिन देवभूमि की इन सीटों का सन्देश देशभर में देने के लिये भाजपा-कांग्रेस उतावले हैं। भाजपा का दावा है कि वह पाँचों सीटें जीत रही है जबकि एनडीएक गठबन्धन का मानना है कि दो या तीन सीटें उसके पाले में होंगी।

सबसे पहले बात नैनीताल-उधमसिंह नगर लोकसभा सीट की करें तो भाजपा 'मोदी' नाम से विजय के लिये आश्वस्त है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय भट्ट पार्टी संगठन के के बल पर भरोसा कर रहे हैं कि वह रिकार्ड मतों से जीत रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस के प्रकाश जोशी ने जिस दमदार तरीके से चुनाव लड़ा है उन्हें लग रहा है कि परिणाम उनके पक्ष में होगा। इस बात में दोराय नहीं कि प्रकाश जोशी ने बिखरती कांग्रेस की ओर से जिस विश्वास के साथ अजय भट्ट को टक्कर दी वह भरपूर लड़े हैं। सवाल यही है कि कम मतदान का परिणाम क्या बनेगा? सियासी दलों में उधेड़बुन चल रही है कि कम मत पड़ने से किसको लाभ होने वाला है। मतदान के दिन जिस प्रकार सुबह लोग जुटने लगे थे लग रहा था कि रिकार्ड मतदान होगा लेकिन दिनभर एकदम शान्ति रही और मुश्किल से 51.64 प्रतिशत मतदान हुआ।

अल्मोड़ा लोकसभा सीट में उम्मीद से काफी कम मतदान हुआ है। कुल 46.94 मतदान इस बार हुआ जबकि 2019 में 51.82 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस पूरे लोकसभा की तस्वीर देखें तो चम्पावत में अधिक व सल्ट में कम वोट पड़े। भाजपा के अजय टम्टा को पार्टी कैडर वोट मिल रहे हैं जबकि कांग्रेस को कमजोर नहीं कहा जा सकता है। प्रदीप टम्टा अनुभवी नेता हैं और कांग्रेस के लिये मेहनत कर रहे विधायकों को उम्मीद है कि कांटे की टक्कर होगी।

हरिद्वार लोकसभा सीट पर में 62.36 प्रतिशत मतदान हुआ है लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव से 6.56 प्रतिशत कम वोटिंग हुई। देखा गया कि कांग्रेस के कब्जे वाली विधानसभा सीटों पर मतदान ज्यादा हुआ। ऐसे में सीधा सा अनुमान लगाया जा रहा है कि भाजपा की ओर से कई ने उदासीना दिखाई होगी। इसी लोकसभा सीट पर कांग्रेस को ज्यादा उम्मीदें लग रही हैं। दावा भाजपा के त्रिवेन्द्र रावत और कांग्रेस के वीरेन्द्र रावत दोनों ओर से है लेकिन मतदाताओं की मिलाजुला प्रभाव किसे अवसर देगा यह 4 जून को स्पष्ट हो जाएगा।

पौड़ी गढ़वाल लोकसभा सीट पर भी तीन प्रतिशत से अधिक मतदान कम हुआ। यहाँ 14 में से 13 सीटों पर भाजपा विधायक हैं लेकिन जिस प्रकार से कांग्रेस के गणेश गोदियाल ने चारों ओर चुनाव रथ घुमाया है वह सर्वाधिक चर्चा में हैं। भाजपा के अनिल बलूनी प्रत्याशी हैं और पार्टी के सर्वाधिक स्टार प्रचारक इस सीट पर उतर आए थे। ऐसे में इस रोचक मुकाबले का परिणाम जानने के लिये सभी उतावले हो रहे हैं।

टिहरी लोकसभा सीट पर 2019 की तुलना में 5.73 प्रतिशत कम मतदान हुआ। यहाँ भी 14 में से 11 विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा है। दो पर कांग्रेस और एक पर निर्दलीय विधायक है। इस बार के चुनाव में 52.57 प्रतिशत वोटिंग हुई है। भाजपा की माला राज्य लक्ष्मी साह दमखम के साथ मैदान में हैं। बॉबी पंवार का शोर चारों ओर है। कांग्रेस ने जीत सिंह गुनसोला को मैदान में उतारा है।

## आने वाले पन्ना प्रमुख बनेंगे

चुनाव के समय में जो लोग भाजपा में शामिल हुए हैं उन्हें पहले पन्न प्रमुख बनना होगा। भाजपा में शामिल हो रहे दूसरे दलों के लोगों का स्वागत है लेकिन वह पीछे ही रहेंगे। कालाढूंगी के विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेता बंशीधर भगत ने पत्रकारों से उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा पार्टी कार्यकर्ताओं को हमेशा वरिष्ठ कहा जायेगा।

## मई में निकाय चुनाव!

हल्द्वानी। स्थानीय निकाय मई में हो सकते हैं। जिला प्रशासन लोकसभा चुनाव का मतदान होने के तुरन्त बाद स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारी में जुटा हुआ है। नगर निगम, पालिका व पंचायतों में अतिसम्वेदनशील सम्वेदनशील बूथों के चिन्हीकरण के लिये कमेटियां गठित कर दी हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने नामावलियों की जाँच के निर्देश दिय हैं।

## मतदान के बहिष्कार पर सीएम गम्भीर, निर्देश दिए

लोकसभा चुनाव में 35 में 35 से अधिक ग्रामों के बहिष्कार पर सरोर चेती है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने गम्भीर होते हुए अपने प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु को सभी गांवों की नाराजगी की वजह तलाशने और उसका प्रभावी समाधान करने के निर्देश दिए हैं। सचिव ने बताया है कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन से मतदान बहिष्कार करने वाले गांवों का ब्यौरा मांगा जा रहा है। नाराजगी के कारणों का विस्तार से जवाब देना होगा। सड़क, पेयजल लाइन बिजली सप्लाई आदि लटकी योजनाओं पर रिपोर्ट मांगी गई है।

## भाजपा में अभी तक जाने का सिलसिला

लोकसभा चुनाव के लिये उत्तराखण्ड में मतदान के बाद भी भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं का सिलसिला जारी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय संयोजक सुरेश गंगवार, उधमसिंह नगर की जिला पंचायत अध्यक्ष रेनू गंगवार, पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत की पुत्रवधू अनुकृति गुसांई भाजपा में शामिल हो चुकी हैं। ये सभी कह रहे हैं कि भाजपा के विकास कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा में सम्मिलित हुए हैं। हरक सिंह के परिजनों व निकट जनों का पार्टी बदलना एकदम सीधा सा कारणा 'समझौता' माना जा रहा है। हरक के कारनामों पर जाँच की आँच की चारों ओर चर्चा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

# ये कैसी विचारधारा कही जाएगी?

**लोकसभा चुनाव के इस दौर में उत्तराखण्ड जैसे छोटे राज्य में कांग्रेस के दस हजार छोटे-बड़े नेता टूटकर भाजपा में आ चुके हैं। आंखिर यह सब क्या कहा जाएगा? क्या यह सब कांग्रेस में सताए जा रहे थे, इनकी सुनवाई नहीं थी या टिकट इनको नहीं मिल रहा था? कांग्रेस से एकदम उलट भाजपा में जाने को यह क्यों उतावले हुए या हो रहे हैं, क्या इन्हें भविष्य में टिकट या अन्य लाभ की उम्मीद है, क्या इनके रुके कार्य सिद्ध होने वाले हैं?**

**दरअसल राजनैतिक पार्टी में जुड़ने का मतलब ही स्वार्थी लपट होने लगा है। किसी भी पार्टी या संगठन को बनने में सबसे पहले उस विचारधारा के लोग जुड़ते हैं। इनका मिशन तय होता है। ये अपने विस्तार के लिये संगठन को विस्तार देते हैं और माना जाता है कि समान विचार वाले एकसाथ हैं लेकिन नेताओं की भागमभाग ने 'विचारधारा' को बहुत पीछे छोड़ दिया है। साफ दिखाई दे रहा है कि अपने स्वार्थ, अपने टिकट, अपने किसी कार्य को पूरा करवाने के लिये एकदम पटली मारने वाले बेशर्मी कर रहे हैं। हो सकता है दो प्रतिशत नेता ऐसे हों जो साफ-सुथरी राजनीति का भाव रखते हुए पाला बदल लें परन्तु अधिकांश संख्या लपट-झपट ही है।**

**भाजपा की विचारधारा अपने मिशन पर है। संघ अपने तय मिशन पर चल रहा है। कांग्रेस का अपना विधान है और इसी प्रकार सपा-बसपा व अन्य दलों के अपने उसूल हैं। यह सब जानते हुए जब भी कोई नेता या कार्यकर्ता बनता है तो उसे उसी लाइन में चलना चाहिये। हाँ यदि पार्टी की किसी बात पर उसे ऐतराज हो तो वह अपने उसी मंच पर बात रखे लेकिन परम्परा के विरुद्ध अब सबकुछ दबंगता से होने लगा है। लगातार पार्टी बदलने वाले नेता भी जनता की आँखों में घूम रहे हैं। जनता पूछ रही है कि यह अदल-बदल क्यों हो रही है। नेताओं के इधर-उधर जाने में पार्टियां भी कम नहीं हैं। अपना माहौल बनाने के लिये पार्टियों ने अपने दरवाजे खोल रखे हैं। ऐसे में न नेता और पार्टी दोनों ही 'विचारधारा' को भूल जाते हैं।**

**राजनीति में 'विचारधारा' का जब कोई मतलब ही नहीं रह गया है तो उलझने और उदंडता को बढ़ावा मिलेगा। इसलिये राजनीति के इस अध्याय को दिशा देने के लिये पार्टियों और जनता को सजग रहना चाहिये।**

## देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

### अमेरिका सेना में शामिल होंगे भारतीय प्रतिनिधि

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना में जल्द ही भारतीय सैन्य प्रतिनिधियों की तैनाती होने जा रही है। कर्नल रैंक के ये प्रतिनिधि 3 अमेरिकी सैन्य कमाण्ड में रहेंगे। इसका फैसला पिछले साल जून में हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाशिंगटन यात्रा के दौरान हुआ था। भारतीय प्रतिनिधि लायजनिंग आफिसर के तौर पर रहेंगे।

### सैन्य खर्च में भारत दुनिया का चौथा देश

नई दिल्ली। दुनियाभर में सैन्य खर्च में भारत दुनिया का चौथा देश है। एक अन्तर्राष्ट्रीय थिंक टैंक के अनुसार 2023 में भारत का सैन्य खर्च 8360 करोड़ डालर था। सबसे ज्यादा सैन्य खर्च करने वाले सैन्य देशों में अमेरिका, चीन और रूस शामिल हैं।

### लू प्रभावित एशियाई देशों में भारत भी शामिल

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र की सर्वाधिक आपदा प्रभावित क्षेत्रों को लेकर एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में एशिया मौसम जलवायु और पानी सम्बन्धी खतरों से दुनिया के सबसे अधिक आपदा प्रभावित क्षेत्रों में से एक था। भारत समेत एशिया के कई देश लू से भी प्रभावित रहे। भारत में अप्रैल और जून में भीषण लू के परिणामस्वरूप 110 मौतें हुई।

### दुनिया की आधी आबादी पर डेंगू बायरस खतरा

जिनेवा। भारत समेत दुनिया के कई देशों में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि वैश्विक स्वर पर 3.9 अरब लोगों को डेंगू वायरस का खतरा है। यह संक्रमण गम्भीर होता जा रहा है।

### मालदीप के ३० द्वीपों का ठेका चीन को

माददीप में भारत विरोधी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को संसदीय चुनाव में प्रचण्ड बहुमत पाने के बाद उसका असर है। 93 सीटों में से 68 सीटों पर मिली जीत के बाद मुइज्जू ने चीन के एजेंडे पर काम शुरू कर दिया है। 188 बसाहट वाले द्वीपों में से 30 नए द्वीप में कंस्ट्रक्शन का ठेका चीन को देने की बात कही है।

### पाँच हजार नियुक्तियां संदिग्ध : आयोग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हजारों स्कूल शिक्षकों के भविष्य पर तलवार लटक रही है। कलकता हाईकोर्ट के फैसले के बाद 25700 से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति रद कर दी है। हालांकि पश्चिम बंगाल स्कूल शिक्षा आयोग ने हाईकोर्ट में कहा है कि केवल 5300 शिक्षकों की नियुक्तिां संदिग्ध हैं। आयोजन ने कहा कि 19000 शिक्षकों की नियुक्तियां वैध होने की सम्भावना है।

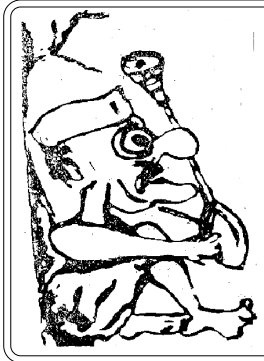

## फसक

# दाज्यू, कलजुग में सब जल्दबाजी के काम ठैरे

## नाक-भौं सिकोड़ना तो आम बात हो गई है बल

दाज्यू, घोर कलजुग चल रहा है। आने वाला पल पता नहीं क्या दिखाएगा.....। रघुवरदत्त जी रिटायरमेंट से पहले घाट के दो चक्कर लगा चुके हैं। कह रहे थे- 'मुर्दों के लिये लकड़ी भी नसीब नहीं हो रही है। पता नहीं कब आराम मिलेगा।' दाज्यू, बात तो ठीक ही कही है, कलजुग में सब काम जल्दबाजी के ठैरे। निपटने-निपटाने में जमाना उलझ चुका है। हाहाकार मचा है चारों ओर। तभी तो नाम-भौं सिकोड़ना आम बात हो गई है बल। जिसके मन की न करो, वह अपने मन की कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव का फिर से लपेट लिया। भ्रामक विज्ञापन मामले में कोर्ट ने कहा- जितना बड़ा प्रचार किया माफीनामा भी उतना होना चाहिये। दाज्यू, भला हो कोर्ट का, उसने बाबा जी को कह तो दिया। हम तो अनुलोम-विलोम से ज्यादा मतलब रखते भी नहीं और सोच रहे थे बाबा जी की बूटी अन्तिम इलाज है।

रुद्रपुर में डीजे में नाचने को लेकर बाराती-घरातियों के बीच लट्ठ चल गये। बारात बगैर दुल्हन के बैरंग लौटी। डीजे खतरनाक चीज हो गई ठैरी। सोमेश्वर तहसील के एक गाँव में भी विवाह समारोह में डीजे के चक्कर में कुछ युवकों ने डीजे संचालक पर चाकू से हमला कर दिया। हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस अपना काम कर रही है। क्या कहें, क्या न कहें? हर जगह की लीला निराली है। हल्द्वानी सुशीला तिवारी अस्पताल में चोर घात लगाए हुए हैं। डाक्टरों का लैपटॉप और कीमती सामान गायब हो गया। सीसीटीवी में जाँच के बाद एक पकड़ा गया जो करोड़पति है बल। नशे की आदत में चोरी-चकारी का मजा भी लेने वाले ठैरे।

जमाने की लल्लू-टप्पू होते रहने वाली ठैरी। कैबिनेट मंत्री रहे हरक सिंह के वहाँ ईडी के जाने के बाद से भजन होने लगे। हरक की पत्नी दीप्ति, करीबी लक्ष्मी राणा भाजपा धुन में थीं। दाज्यू, सबकुछ जल्दबाजी का ठैरा। मतदान के बाद हरक की पुत्रबधू अनुकृति गंसांई भी पार्टी बदल कर चुकी हैं।

दाज्यू, हरदा कह रहे हैं- 'प्रशासनिक मशीनरी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर रही है। उत्पीड़न न करें, हमारा भी वक्त आएगा।' दाज्यू, हरदा का वक्त गजबज रहा है। पहले त्याड़ ज्यू से उलझते रहे, जब इन्हें मौका मिला इनकी पार्टी वाले दिग्गज ही गलियाने लगे। दाज्यू, समय-समय की बात ठैरी।

अब प्रदेश के 41 डिग्री कालेजों में छात्रावास बनाने की बात कही जा रही है। प्रत्येक छात्रावास 5 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होगा। हमें समझ नहीं आ रहा है कि जिन कालेजों में पहले बने छात्रावास बर्बाद होने को छोड़ रखे हैं, वहाँ नए क्यों बनाए जा रहे होंगे? इनमें कौन रहने वाला है? मुण्डीझांप कर कोई कर्मचारी अपने रहने का जुगाड़ कर लेगा। यही सब होता रहा है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के हुक्का बार पर प्रतिबन्ध जारी रखने के फैसले को सही ठहराया है। दाज्यू, प्रतिबन्ध तो हमारे यहाँ भी होना चाहिये। लौंडे-मौंडे धुंए का बादल बनाते हैं बल। कभी पुलिस का झापा पड़ा तभी पता चलने वाला हुआ कि चटपट धन्धे पहाड़ में भी शुरू हो गये हैं। दाज्यू, विजिलेंस टीम ने खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभग के विपणन अधि कारी को रिश्वत लेते पकड़ लिया बल। दाज्यू, जल्दबाजी की दुनिया में सही-गलत पता करना कठिन हो रहा है। खड़े मसाले और मटर-पनीर की शौकीन दुनिया पता नहीं कितना तेज भागना चाहती है।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

# भाजपा में बाहर से आये नेताओं से पार्टी असहज और भिड़ाई शुरू

देहरादून/हल्द्वानी। लोकसभा चुनाव से लेकर अभी तक भी भाजपा में बाहर से नेताओं का शामिल होना जारी है परन्तु बाहर से आए नेताओं के कारण पार्टी असहज होने जा रही है और नेताओं की भिड़ाई शुरू हो चुकी है। हालांकि बात संभालते हुए कुछ नेता यह कह रहे हैं कि भाजपा अनुशासित पार्टी है और इसमें सबको सम्मान दिया जा रहा है। पार्टी में ज्यादातर कांग्रेस से आये नेताओं के कारण पुराने भाजपा नेताओं का असहज होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता बंशीधर भगत ने कहा कि जो भी बाहर से पार्टी में आ रहे हैं, उनसे पहले पार्टी के पुराने नेताओं की वरिष्ठता गिनी जाएगी।

कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत के बयान के बाद साफ हो चुका है कि भविष्य के लिये कालाढूंगी सीट से वह अपना गणित देख रहे हैं। पुत्र विकास भगत को पहले भी आगे किया था। विस चुनाव कई नेताओं के दावे व तमाम उलझनों के बाद पार्टी ने भगत को ही टिकट दिया। कांग्रेसी नेता और इस सीट पर निर्दलीय भी लड़ चुके महेश शर्मा भाजपा में शामिल होने के बाद क्या अब टिकट की चाह नहीं रखेंगे? इसी प्रकार नैनीताल सीट पर डॉ.हरीश बिष्ट सहित कई नेता भाजपा का झण्डा थाम चुके हैं वह आने वाले समय में क्या पार्टी के फरमान को मानेंगे? भीमताल सीट पर राम सिंह कैड़ा विधायक हैं लेकिन क्या अन्य दावे नहीं होंगे? कहा जा रहा है कि भाजपा की हरियाली देख बहुत से नेता चरने आ चुके हैं लेकिन उन्हें निभाना सरल नहीं होगा। सभी विधानसभा सीटों पर यही स्थिति बनी हुई है। बाहर से पार्टी में शामिल हुए नेताओं के कारण पहले से उम्मीद लगाए नेताओं का आपसी मंथन होने लगा है।

बड़े नेताओं के बीच तो घमासान होने लगी है। टिहरी सीट पर किशोर उपाध्याय और दिनेश घने के बीच लगातार बससबाजी हो रही है। उपाध्याय का एक पत्र भी वायरल हो रहा है। पत्र में कहा है- ''एक बैठक में हमारे सम्मानित साथी पूर्व मंत्री श्री दिनेश घनेजी ने आपका नाम लेते हुए मुझे आरोपित किया है कि मेरे एवं मेरे समर्थकों के टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि. में करोड़ों के ठेके चल रहे हैं। जिससे मुझे गहन पीड़ा तो हयी है। अगर इस तरह की बातें लोगों के बीच हैं तो मेरी छवि पर भी गम्भीर नकारात्मक असर पड़ता है।.....आपके यहाँ कौन-कौन ठेकेदार कार्य कर रहे हैं किसकी अनुशंसा पर कर रहे हैं। मुझे अवगत कराने का कष्ट करें तो आपका आभारी रहूँगा।''

रानीखेत उपमण्डल में भी भाजपा के भीतर घमासान मची है। विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल और उत्तराखण्ड राज्य सलाहकार श्रम संविदा बोर्ड के अध्यक्ष (दर्जा मंत्री) कैलाश पन्त ने एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इन दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ पार्टी विरोधी गतिविधि में शमिल होने का आरोप लगाते हुए हाईकमान से कार्रवाई की मांग की है। असल में भतरौंजखान में विधायक के भाई-भांजे और प्रधान के बीच विवाद मचा जिसमें कैलास पन्त प्रधान की ओर से पैरवी करने लगे। मामला बढ़ता चला गया और पार्टी में धुंआ उठने लगा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिन्ता

# हिमालय से सिकुड़ रहा भौंरों का आवास

**डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला**

दुनिया में एक अमर प्रेम कहानी अब खत्म होने की कगार पर पहुँच गई है। भंवरे ने खिलाया फूल फूल ले गया कोई राजकुमार 'प्रेम रोग' फिल्म का यह गाना आपने जरूर सुना होगा। इस गाने में फूल और भौंरा यानी फूल-कीट के प्रेम सम्बन्ध को बताया गया है। यहाँ फूल-भौंरा दोनों एक दूसरे से कनेक्ट हैं। बिना फूल पर बैठे न तो भौंरा रह पाता है और बिना भौंरा के फूल की सुन्दरता भी नहीं बढ़ पाती है। फूलों और कीटों के बीच बहुत पुराना सम्बन्ध है, लेकिन जलवायु परिवर्तन की वजह से धीरे-धीरे इनके रिश्तों में दूरियां आ रही हैं। पहले फूलों पर कीट परागण की प्रक्रिया बहुत होती थी।

न्यू फाइटोलाजिस्ट जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया है कि फूल अब परागण की प्रक्रिया कम करते हैं, जिससे कीटों की संख्या में गिरावट आ रही है। परागण का सम्बन्ध कीट-पंतगो जैसे तितली, भंवरा, मधुमक्खी मक्खी, ततैया से है, जो फूलों पर बैठकर उसकी सुन्दरता बढ़ाते हैं। रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने इनके भविष्य के खतरों को लेकर चेताया है। कहा, वर्ष 2050 से 2070 तक भौंरे अपने प्राकृतिक वास का बड़ा हिस्सा खो देंगे। जिनके मात्र 15 प्रतिशत आवास सुरक्षित रहेंगे। वैज्ञानिकों ने अध्ययन रिपोर्ट में भौंरों के प्राकृतिक वास प्रभावित होने की बड़ी वजह जलवायु परिवर्तन के साथ ही शहरीकरण, बढ़ती कृषि गतिविधियों, कीटनाशकों के अन्धाधुन्ध उपयोग एवं भूमि उपयोग में परिवर्तन को बताया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इससे अगले 50 वर्षों में भौंरों की अधिकतर प्रजातियों के लिए उपयुक्त आवास में कमी आएगी।

अध्ययन के दौरान पाया कि हिमालयी क्षेत्र का 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सा भौंरों की केवल तीन प्रजातियों के लिए उपयुक्त है। 20 से 30 प्रतिशत क्षेत्र भौंरों की केवल दो प्रजातियों एवं 10 प्रतिशत से कम क्षेत्र 16 प्रजातियों के लिए उपयुद्र हैं। हिमालयी क्षे> के भौंरों की 32 प्रजातियों पर अध्ययन किया। अध्ययन से यह पता चला है कि भौंरों का आवास संकटग्रस्त श्रेणी में आ चुका है। यही हाल रहा तो आने वाले समय में भौंरों के आवास धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगे और हिमालयी क्षेत्र में होने वाले सुन्दर फूलों में परागण की प्रक्रिया न होने से फूल नहीं खिल पाएंगे। देखा जाए तो इन 25 प्रजातियों में से केवल बी ल्यूकोरम अपने वर्तमान आवास का करीब 63.87 फीसदी खो देगी, लेकिन साथ ही उसे इस बीच 58. 26 फीसदी नए उपयुक्त आवास भी मिलेंगे। वहीं भंवरे की प्रजाति बी जेनैलिस के मौजूदा उपयुद्र आवास का करीब 94. 59 फीसदी हिस्से पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं पाँच प्रजातियां अपने उपयुक्त आवास में वृद्धि का अनुभव करेंगी। यदि 2070 के लिए जारी पूर्वानुमान को देखें तो भौंरों की सभी प्रजातियों के अनुकूल आवास क्षेत्रों में 5.13 से 100 फीसदी तक की गिरावट आने का अंदेशा है। देखा जाए तो प्रजातियों के अनुकूल आवास क्षेत्र में गिरावट या वृद्धि प्रजातियों पर निर्भर करेगा। रिसर्च में यह भी सामने आया है कि 2070 तक 13 प्रजातियां अपने मौजूदा अनुकूल आवास क्षेत्रों में 90 फीसदी से ज्यादा की गिरावट का सामना करेंगी। वहीं 11 प्रजातियां 50 से 90 फीसदी की गिरावट का सामना करेंगी। यदि हिमालय क्षेत्र में इनके उपयुक्त आवास को देखें तो 2070 तक हिमालय का 20 फीसदी से अधिक क्षेत्र केवल दो प्रजातियों के लिए उपयुक्त होगा। 10 फीसदी से अधिक क्षेत्र केवल दो प्रजातियों बी लेपिडस और बी जेनैलिस के लिए उपयुक्त रह जाएगा। चार प्रजातियां अपने उपयुक्त आवास क्षेत्रों में वृद्धि का अनुभव करेंगी। अध्ययन में जो पूर्वानुमान सामने आए हैं, उनके मुताबिक 2050 तक, हिमालय क्षेत्र में भौंरों की 75 फीसदी से अधिक प्रजातियां उपयुक्त आवास क्षेत्रों में गिरावट का अनुभव करेंगी। इनमें से 40 फीसदी से अधिक प्रजातियां अपने उपयुक्त आवास के 90 फीसदी हिस्से में गिरावट का सामना करेंगी। 45 फीसदी से अधिक प्रजातियों के पास एक फीसदी से भी कम उपयुक्त आवास क्षेत्र होगा। इतना ही नहीं 2070 तक स्थिति में सुधार आने के कोई संकेत नहीं है, क्योंकि इस दौरान 85 फीसदी से अधिक प्रजातियां अपने उपयुक्त आवास में गिरावट का सामना करेंगी। उनमें 40 फीसदी से अधिक को अपने आवास क्षेत्रों में 90 फीसदी गिरावट का सामना करना होगा। साथ ही 35 फीसदी से अधिक प्रजातियों के लिए उपयुक्त आवास क्षेत्र सिकुड़ कर एक फीसदी से कम क्षे> में रह जाएगा। चूंकि हिमालयी क्षेत्र में भौंरों के यह उपयुक्त आवास कई देशों में फैले हुए हैं। ऐसे में इनके संरक्षण के लिए इन हिमालयी देशों को मिलकर प्रयास करने चाहिए, ताकि पारिस्थितिक तंत्र के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण इन नन्हे जीवों को बचाया जा सके। लगभग 90 प्रतिशत जंगली पौधे और 75 प्रतिशत प्रमुख वैश्विक खाद्य फसलें प्रजनन के लिए पशु परागणकों पर निर्भर हैं, और उस काम का बड़ा हिस्सा मधुमक्खियों द्वारा किया जाता है। मधुमक्खियों की घटती आबादी के बढ़ते सबूतों के बावजूद, जंग लगी भौंरा महाद्वीपीय संयुक्त राज्य अमेरिका में केवल दो मधुमक्खियों में से एक है जो वर्तमान में लुप्तप्राय प्रजाति अधिनियम के तहत संरक्षित है। फ्रैंकलिन की भौंरा को 2021 में लुप्तप्राय के रूप में सूचीब किया गया था लेकिन आँखिरी बार 2006 में देखा गया था। जलवायु परिवर्तन के कारण भौंरों की संख्या में कमी विशेष रूप से चिन्ताजनक है क्योंकि वे पहले से ही अन्य तनावों का सामना कर रहे हैं। यह वास्तव में बहुत निराशाजनक है क्योंकि हम जानते हैं कि मधुमक्खियों के पास कई अन्य समस्याएं हैं। हमने शायद इसके आने का अनुमान लगाया होगा लेकिन यह स्पष्ट रूप से उनकी परेशानियों को बढ़ाता है और इससे निपटना काफी मुश्किल है, इसका कोई सरल समाधान नहीं है।

## ज्योतिष की बातें - 176

7 मई 2024 को गुरु वृषभ राशि में अस्त हो जाएगा अत: गुरु और भी निर्बल हो जाएगा। अत: अगले 26 दिन गुरु किसी भी राशि के जातक को अपना शुभफल देने में पूर्णत: असमर्थ रहेगा। शुक्र के साथ अब गुरु के भी अस्त हो जाने से विवाह आदि मंगल कार्य तथा गृह प्रवेश आदि शुभ कार्य अगले 26 दिन पूर्णत: स्थगित रहेंगे।

10 मई 2024 को बुध समराशि मेष में प्रवेश करेगा, जहाँ पर शनि की पाप दृष्टि भी पड़ेगी अत: बुध अत्यन्त निर्बल रहेगा फिर भी अगले 20 दिन बुध बुद्धि, व्यापार, लेखन, गणित आदि अपने कारक विषयों में मीन, मकर, वृश्चिक, कन्या, कर्क व मिथुन राशि के जातकों को अल्पमात्र में शुभफल प्रदान करेगा। अन्य राशियों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

अक्षय तृतीया- वैशाख शुक्ल तृतीया पूर्वाह्नव्यापिनी तिथि तदनुसार शुक्रवार 10 मई 2024 को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन किया गया जप, दान, पुण्य आदि अक्षय फल प्रदान करता है।

परशुराम जयन्ती- वैशाख शुक्ल तृतीया प्रदोषव्यापिनी तिथि तदनुसार शुक्रवार 10 मई 2024 को भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयन्ती मनाई जाएगी ।

श्री शंकराचार्य जयन्ती- वैशाख शुक्ल पंचमी उदयव्यापिनी तिथि तदनुसार रविवार 12 मग्र 2024 को आदि जगद्गुरु शंकराचार्य भगवान की जयन्ती मनाई जाएगी। इस दिन शंकराचार्य जी के द्वारा रचित किसी ग्रन्थ का पाठ करना चाहिए ।

शुभं भवतु !!

**-ओंकार नाथ कोष्टा**
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

## सम्यक् विचार- 67

### भवनों की बढ़ती ऊँचाई का भविष्य

जहाँ पर पहले कच्चे मकान होते थे वहाँ पर पक्के मकान बन गये हैं, कच्चे मकान अब गाँवों में भी कहह्न दिखाई नहीं पड़ते। जहाँ पक्के मकान थे वे अब तीन-चार मंजिल के हो गए हैं, एक-दो मंजिल के मकान अब कहीं दिखाई नहीं पड़ते। जहाँ तीन-चार मंजिल के मकान होते थे उनके स्थान पर 8-10 मंजिल तक के मकान बनाए जाने लगे तो अब तीन-चार मंजिल के मकान में हवा और प्रकाश समाप्त हो गया। अब कम ऊँचाई के मकानों को गिराकर हवा और प्रकाश पाने के लिये 14-15 मंजिल के बनाए जाने लगे हैं। उनके कारण जो 8-10 मंजिल के मकान थे उनका हवा और प्रकाश बन्द हो गया अब उनको भी गिराकर 20-22 मंजिल के मकान बड़े-बड़े शहरों में बनाए जा रहे हैं। चारों तरु 20-22 मंजिल के मकान हो जाने पर जो बिल्डिंग 10-12 मंजिल तक की थी उनका भी हवा प्रकाश बन्द हो जाएगा। अब तो यह स्थिति आ गई है कि जिन मकानों की आयु प्राय: 50-60 वर्ष मानी जाती थी उन मकानों को मात्र 10-15 वर्ष में ही गिराकर हवा और प्रकाश पाने के लिए 35-35 मंजिल के मकान बनाये जाने लगे हैं। शहरों में सड़कों की चौड़ाई बढ़ने के कारण मकानों की ऊँचाई तेजी से बढ़ती चली जा रही है। आखिर ये ऊँचाई कहाँ तक जाएगी!

बड़े-बड़े शहरों में अनावश्यक रूप से मकानों की ऊँचाई बढ़ाते चले जाने के कारण निरन्तर भवन निर्माण कार्य चलता रहता है जिस कारण वहाँ का वायुमण्डल अत्यन्त प्रदूषित हो जाता है, परिणामस्वरूप शहर के लोगों में श्वास की समस्या पैदा हो जाती है। बड़ी-बड़ी सोसाइटी में ऊँचे-ऊँचे कई टावर होते हैं तो उन टावरों में निचली मंजिलों पर रहने वाले लोगों को हवा और प्रकाश प्राप्त न होने कारण उनका स्वास्थ्य प्रभावित होता है। तीसरी समस्या भविष्य में आने वाली है। जब इन ऊँची-ऊँची बिल्डिंगों की आयु 30-40 साल बाद समाप्त हो जाएगी तब उनके कचरे का क्या होगा!

बड़े-बड़े बिल्डरों के हित में प्रकृति और स्वास्थ्य का विनाश करना उचित नहीं।

**-सरल**

# ईडी छापे से हल्द्वानी की फिर से चर्चा

हल्द्वानी। किसी न किसी कारण लगातार सुर्खियों में रहने वाले हल्द्वानी शहर की अब ईडी छापे से चर्चा हो रही है। गत दिवस तिकोनिया के पास एक कालोनी में ईडी का छापा पड़ा। अमेरिका में एक 40 साल के भारतीय नागरिक और हल्द्वानी के रहने वाले बनमीत सिंह को डार्क वेब पर ड्रग्स बेचने के मामले में दोषी पाया गया है। उन्हें अमेरिकन अदालत ने 5 साल जेल की सजा सुनाई है। इसके आवा उनके पास से 1.25 करोड़ रुपये जब्त करने का भी आदेश दिया गया है। अब उत्तराखण्ड पुलिस इनके रिकार्ड खंगाल रही है।

# बिजली महंगी

उत्तराखण्ड में बिजली दरों में 6.92 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई है। बीपीएल श्रेणी के अलावा हर श्रेणी पर बिजली दरों को बढ़ाया गया है। विद्युत नियामक आयोग ने नई दरों का जैसे ही ऐलान किया विपक्षी दलों ने प्रतिक्रिया शुरू कर दी है। उनका कहना है कि सारे प्रयोग उत्तराखण्ड से ही किये जा रहे हैं, मतदान के तुरन्त बाद विद्युत उत्पादन वाले राज्य में विद्युत महंगी कर दी है। विद्युत की बढ़ी दरों के कारण हर महीने 25 से 160 रुपये तक खर्च बढ़ना है। आयोग ने समय पर बिजली बिलों का भुगतान करने वालों को छूट कायम है। आनलाइन बिल जमा करने पर छूट 1.50 प्रतिशत बढ़ाया गया है।

## -श्रद्धांजलि-

**स्व.पार्वती देवी मर्तोलिया**

हल्द्वानी। रेंजर लक्ष्मण सिंह मर्तोलिया की माता श्रीमती पार्वती देवी आकस्मिक निधन हो गया। पिघलता हिमालय परिवार अपने वरिष्ठ सदस्य के निधन पर श्रद्धासुमन अर्पित करता है।

**स्व.गिरीश रावत**

गंगोलीहाट। युवा रंगकर्मी गिरीश रावल का उपचार के दौरान बरेली में आकस्मिक निधन हो गया। पिघलता हिमालय परिवार स्व.रावल निधन पर श्रद्धासुमन अर्पित करता है।

लघु कथा

# अहमियत

**दीवान सिंह कठायत**

अहमियत उनकी औरों के लिए हो न हो, मगर मेरे लिए अत्यन्त प्रेरणास्पद व मानवीय मूल्यों के सम्मान की, सदैव से ही रही है।

मुझे आज भी भलीभाँति स्मरण है, लोग उन दिनों उन्हें खूब समृद्धि समेट रहे डाक्टर के रूप में देखा करते लेकिन उसके पीछे छिपा उनका समर्पण, विशाल चिकित्सकीय अनुभव एवं दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में दी जा रही उनकी अनवरत सेवा का कोई मूल्य न आँकते।

वह अर्द्ध रात्रि का समय था जब एक रात गाँव वाले उनके पास आकर, उन्हें अपने साथ निर्धन किसान किसन सिंह के घर चलकर, प्रसव वेदना से छटपटा रही उसकी विकलांग पत्नी को बचाने की मनुहार करने लगे। तब वह मानवीय मूल्यों की खातिर, जरूरी दवाइयों व उपकरणों के साथ उसके घर पहुँच, अपने सिद्धहस्त कौशल व अनुभव के बल पर, बच्चे का सुरक्षित जन्म करा, जच्चा-बच्चा दोनों की जान बचा गए थे। अत्यन्त निर्धन किसन सिंह उन्हें कृतज्ञता स्वरूप कहें कि उनकी फीस के रूप में, अपने घर में बना केवल एक किलो गाय का घी ही तब दे पाया था। जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर, उसे कृतार्थ किया था।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

## वनभूलपुरा हिंसा मामले की जांच

हल्द्वानी। आठ फरवरी को वनभूलपुरा हिंसा के मामले में फिर से जाँच शुरू हो चुकी है। लोकसभा चुनाव के कारण बीच इस प्रकरण पर जाँच कार्य धीमा हो गया था, अब फिर से सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। मलिक का बगीचा इलाके में नजूल भूमि पर अवैध निर्माण ध्वस्त के समय पथराव, थाने में आगजनी करने वालों को तलाशा जा रहा है। अब्दुल मलिक सहित 122 लोग पुलिस की गिरफ्त में हैं।

## आप मजबूती से लड़ेगी निकाय चुनाव

किच्छा। आम आदमी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष एस.एस.कलेर ने कहा कि पार्टी प्रदेश में निकाय चुनाव मजबूती के साथ लड़ेगी। लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी, संगठन के विस्तार पर जोर दे रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए कलेर ने कहा संगठन मजबूत बनाना जरूरी है।

## पाटी में ग्रीष्मकालीन रामलीला होगी

पाटी। क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन रामलीला के लिये तालीम शुरू हो चुकी है। आदर्श रामलीला कमेटी पाटी लौलाड़ी के सदस्यों ने बैठक में रामलीला संचालन पर विचार विमर्श किया। ग्रीष्मकालीन आयोजन को लेकर लोगों में उत्साह है।

## मानसखण्ड यात्रा पर स्वागत सत्कार

टनकपुर। पुणे से आई मानसखण्ड एक्सप्रेस के पहुँचने पर यात्रियों का स्वागत सत्कार किया गया। 280 यात्रियों को मानसखण्ड के विभिन्न स्थानों पर भ्रमण के लिये यह तैयारी की गई है। यात्री 11 दिन तक कुमाऊँ के धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे। रेल यात्रा के बाद 22 मिनी बसों से पर्यटकों को भ्रमण कराया जा रहा है।

## बहादुर धर्मशक्तू भी देंगे छात्रवृत्ति राशि

नाचनी। 'आओ अपने गाँव से जुड़ें' अभियान से प्रेरित होकर भा.स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबन्धक बहादुर सिंह धर्मशक्तू ने अपने स्व. पिता विजय सिंह तथा माता श्रीमती अहिल्या देवी की स्मृति में राजकीय प्राथमिक विद्यालय लाधियाबगड़ के तीन होनहार छात्रों को छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। ग्राम पंचायत बोरगांव के टिमटिया तोक निवासी श्री धर्मशक्तू ने बताया कि इस बार की छात्रवृत्ति के लिये लोधियाबगड़ की सुश्री मानवी, सूरज सिंह व दक्ष वर्मा को चुनाव गया है। उन्होंने बताया कि उनके पूर्वजों के साथ ही जोहार क्षेत्र के सैकड़ों विद्यार्थियों ने इस विद्यालय से शिक्षा ग्रहण की है। आज आवश्यकता है कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को प्रोत्साहन दिए जाने की। इससे भावी पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिये प्रेरणा मिलेगी। इसी माह विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित होगा।

# धधकने लगे हैं जंगल, तराई में लू

ग्रीष्म ऋतु में तराई लू के थपेड़ों से घिरी है और पहाड़ तक के जंगल धधकने लगे हैं। पर्वतीय प्रदेश उत्तराखण्ड हिमाचल सहित कई राज्यों में पारा 38 डिग्री सेल्सियस पार पहुँच चुका है।

उत्तराखण्ड के शहरों में सुबह से ही जबर्दस्त गरमी का असर होने लगा है। आने वाले दिनों में तापमान 40 पार तक होना ही है। मैदानी क्षेत्र में ग्रीष्म का भीषण प्रभाव देखते हुए सैलानियों की भीड़ पहाड़ की ओर है।

प्रदेश में दो दर्जन स्थानों पर जंगलों की भीषण आग फैली है। सीएम के आदेश के बाद जंगल की आग रोकथाम के लिये डीएफओ को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। हेल्पलाइन एवं टोल फ्री नम्बर जारी किया गया है। रानीखेत के राय स्टेट के पास लगी आग से अल्मोड़ा-रानीखेत हाईवे पर आवाजाही रोकनी पड़ी थी। अल्मोड़ा जिले में 28 हेक्टेयर से ज्यादा जंगल जल चुके हैं। बागेश्वर जिले में सात हेक्टेयर और पिथौरागढ़ जिले में 55 हेक्टेयर जंगलों में आग लग चुकी है। नाचनी क्षेत्र के नापड़ ग्राम पंचायत के नैनथल का प्राथमिक विद्यायल की छत भी जंगल की आग से जल गई। ये स्कूल 2020 से बन्द है। यहाँ रहने वाले बीस परिवार भी पहले ही पलायन कर चुके थे। चम्पावत जिले में दस हेक्टयार जंगल को आग से नुकसान हुआ है। क्वैराला घाटी के जंगल में आग आस-पास के ग्रामों तक फैली। बाराकोट में लड़ीधूरा, रेंगड़ू, इजड़ा के जंगलों तक आग फैली। बागेश्वर के रैखोली, फल्टनियां के जंगलों में आग लगी। ग्रामसभा सुंई पऊ के छमनियां तोक में अराजक तत्वों ने खेत में आग लगा दी, जिससे वनसम्पदा को भी नुकसान की सूचना है। पाटी क्षेत्र के जंगल में भी आग लगी। सीमान्त क्षेत्र बंगापानी तहसील के गोरीछाल स्थित जंगल में भी भीषण आग से वनहानि हुई है। जौलजीवी में टनकपुर-तवाघाट हाईवे से सटै जंगल में आग लगने से पहाड़ की ओर से पत्थर गिर रहे हैं और वाहन संचालन में दिक्कत हो रही है।

नैनीताल के डोलमार जंगल में भी आग लगने से नुकसान हुआ। पटवाडांगर, देवीधुरा, पापड़ी, मंगोली के इलाकों में भी जंगलों में आग फैली। थल के नापड़ नैनीथल स्थित जंगल में लगी विकराल आग आवासीय क्षेत्र तक फैल गई थी। मूनाकोट क्षेत्र में भी जंगल में आग लगी। बेरीनाग में 20 हेक्टेयर जंगल खाक हो चुके हैं। भटीगांव के सुकल्याड़ी के जंगल में आग से वन सम्पदा को नुकसान हुआ है। बेरीनाग रेंज के ऐराड़ी, लोहाथल जंगल में भी वनों पर आग लगी। वनकर्मी बता रहे थे कि वनों पर निर्भर लोग सहयोग नहीं कर रहे हैं, यह चिन्ता की बात है। गंगोलीहाट के मल्ला गर्खा, चिटगल, अग्रोन स्थित जंगलों में आग ध धकी। अल्मोड़ा जिले की सीमा से लगे सेराघाट के नैली गाँव के जंगल में लगी आग गाँव तक पहुँच गई।

मौसम की आग में तराई में भी नुकसान हुआ है। किच्छा में गेहूं की 25 एकड़ खड़ी फसल भस्म हो गई। यूपी सीमा के पास इस अग्निकाण्ड में करीब 13 लाख रुपये से अधिक का गेहूं जलकर राख हो गया। किच्छा में नमक फैक्ट्री रोड पर ग्राम बंडिया भट्टा, वार्ड नम्बर 5 में झोपड़ी में आग लगने से एक बकरी व चार मुर्गी जलकर मर गये। इससे पहले हल्द्वानी रेलवे फाटक के पास भी झुग्गी-झोपड़ी में भीषण की आग से नुकसान हुआ। जसपुर के गांव बढ़ियों वाला निवासी मेजर सिंह पुत्र बलकार सिंह के खेत में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। फायर ब्रिगेट के पहुंचने से पहले खेत में काफी नुकसान हो चुका था। जसपुर के ही दो गांवों भगवन्तपुर व निजामगढ़ में कूड़े के ढेरों में आग लगी। फायर ब्रिग्रेड ने आग पर काबू पाया अन्यथा आस-पास गेहूं की फसल तक यह फैलती।

## दारमा माइग्रेशन गाँवों में तोड़फोड़

धारचूला। दारमा घाटी के तिदांग, गो, दुग्तू और फिलम गाँवों के घरों में तोड़फोड़ और राशन आदि का नुकसान हुआ है। अनुमान लगाया जा रहा है कि भालुओं के यह नुकसान किया होगा। जोहार घाटी में भी इस प्रकार की सूचनाएं मिली थीं। यह भी संहेह हो रहा है कि कहीं शिकारियों ने ही यह सब किया हो। दीलिंग सेवा समिति के सदस्य गोविन्द सैलाल ने बताया कि 12 घरों में तोड़फोड़ हुई है।

## नैनीताल सीजन फुल, पार्किंग की मांग

नैनीता। गर्मी बढ़ते ही नैनीताल सीजन फुल है लेकिन काठगोदाम से लेकर पर्वतीय रूट में जाम से बेहाल है। नैनीताल शहर में भी पार्किंग की मांग हो रही है। लम्बे समय से पार्किंग निर्माण की घोषणा होती रही है लकिन पर्यटन सीजन तक भी सुविधा न होने से कारोबारी निराश हैं। पार्किंग सुविधा व यातायात प्लान न होने से पर्यटकों को दिक्कत होती है।

## परिक्रमा

# पर्यटन सीजन धुंआधार, जून तक केदानाथ हेली सेवा बुक

ग्रीष्म का पर्यटन सीजन धुंआधार हो चुका है। धार्मिक पर्यटन के लिये जबर्दस्त भीड़ जुटी है। सीजन को देखते हुए पर्यटक स्थलों में अग्रिम बुकिंग हो चुकी है और होम-स्टे टूरिज्म को बढ़ावा मिलने से दूरस्थ क्षेत्र के लोग उत्साहित हैं।

दस मई से शुरू हो रही चारधाम यात्रा के लिये देश-विदेश से रिकार्ड भीड़ का अनुमान है। 10 मई से 20 जून तक हेली सेवा की सभी टिकट बुक हो चुकी हैं। अब मानसून सीजन को छोड़कर उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने सितम्बर-अक्टूबर की हेली सेवाओं की बुकिंग शुरू कर दी है। चार धाम यात्रा में इस बार संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति की 2200 बसें शामिल हो रही हैं। यात्रा का मुख्यद्वार ऋषिकेश से इसका संचालन होगा।

पूर्णागिरी मेले में लगातार श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। सीमा पार सिद्ध बाबा मन्दिर (नेपाल) जाने वालों की भी अपार भीड़ जुटी हुई है।

तराई में रामनगर का कार्बेट क्षेत्र पर्यटकों से गुलजार है। जंगल सफारी के लिये बड़ी संख्या में पर्यटक पहुँच चुके हैं। रुद्रपुर के संजय वन चेतना केन्द्र में भी पर्यटकों की आवत बढ़ी है। इस बीच कार्बेट पार्क के आठ जोन के अलावा तराई पश्चिमी वन प्रभाग में फाटो व हाथीडगर के साथ ही रामनगर वन प्रभाग में सीतावनी वन प्रभाग में कीटा पर्यटन जोन के नाम से वन विभाग ने एक और पर्यटन जोन खोल दिया है। ग्रीष्म सीजन के लिये नैनीताल मसूरी पहले से लकदक हैं।

## बेरीनाग में पानी का हाहाकार

बेरीनाग। नगर की 15 हजार आबादी में पानी के लिये हाहाकार मचा हुआ है। कई जगह चार दिन में पानी दिया जा रहा है। पानी के लिये बेरीनाग पहले से भी तंग रहा है लेकिन अब ग्रीष्म में तो यह स्थिति भयावह हो चुकी है। ऐसे में पर्यटक कैसे ठहरेंगे? शहर में रह रहे किरायेदार परेशानी के साथ समय गुजार रहे हैं।

## राहगीरों के लिये प्याऊ लगाया

बेरीनाग। पानी से जूझ रहे नगर में व्यापार मण्डल अध्यक्ष राजेश रावत ने राहगीरों के लिये विभिन्न स्थानों में नि:शुल्क प्याऊ लगाकर सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि गर्मी में राह चलते लोगों को पानी की दिक्कत न हो इसलिये यह उपाय किये हें। चिलचिलाती धूप के चलते राहगीरों व बाजार आने वालों को पानी के लिये भटकना पड़ता है। इसलिये प्याऊ सुविधा होना जरूरी है।

# माता-पिता की स्मृति में छात्रवृत्ति देंगे

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत सिंह मर्तोलिया ने अपनी माता स्व.लीला मर्तोलिया व पिता स्व.कुन्दन सिंह मर्तोलिया की स्मृति में प्रतिवर्ष होनहार तीन विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। 'आओ अपने गाँव से जुड़ें' अभियान के तहत अपने पैतृक ग्राम सुरिंग के प्राथमिक विद्यालय में प्रतिवर्ष इस शिक्षा सत्र से सबसे अधिक अंक लाने वाले तीन विद्यार्थियों को पारितोषिक देकर सम्मानित करेंगे। उन्होंने कहा कि सीमान्त में चारों तरफ शैक्षिक माहौल तैयार हो इसके लिये इस अभियान के शिक्षा वाले पार्ट को सबसे पहले शुरू किया जा रहा है। उन्होंने स्थानीय तथा प्रवासी लोगों से अनुरोध किया है कि सभी अपने गाँव विद्यालय में होनहार छात्रों को सम्मानित करने तथा उनके मनोबल बढ़ाने के लिये इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने में आगे आएं।

# प्रकाश धामी भी देंगे याद में स्कॉलरशिप

पिथौरागढ़। मदकोट निवासी और देहरादून के प्रमुख व्यवसायी प्रकाश सिंह धामी ने भी अपने पिता सीमा सुरक्षा बल के सैनिक रहे स्व. दुर्गा सिंह धामी पुत्र स्व. शुर सिंह धामी की पुण्य स्मृति में आदर्शन राजकीय प्राथमिक विद्यालय मदकोट के तीन होनहार विद्यार्थियों को स्कालरशिप देने की घोषणा की है। उन्होंने 'आओ अपने गांव से जुड़ें' अभियान की सराहना करते हुए इसी शिक्षा सत्र से बच्चों के उत्साह के लिये स्कॉलरशिप देने की बात कही। वार्षिक परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाने वाले तीन होनहार विद्यार्थियों को विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर छात्रवृत्ति वितरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार वे पहली बार विद्यार्थियों से मिलने के लिये अपने गांव आएंगे। विद्यार्थियों को इस तरह के सम्मान दिए जाने से क्षेत्र में शैक्षिक माहौल तैयार होगा। विद्यार्थियों के भीतर प्रतियोगिता की भावना पैदा होगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

# द्वाराहाट का स्याल्दे बिखोती कौतिक : इस बार प्रशासन की भेंट चढ़ गया

**उदय किरौला**

मेले हमारी संस्कृति के ध्वज वाहक होते हैं। बचपन में झूला झूलने व मेले में जलेबी के अलावा मेले के माध्यम से हम अपनी संस्कृति को जानते हैं, समझते हैं। मुझे याद है बचपन में मुझे झोड़े में पांव मिलाना नहीं आता था परन्तु जब द्वाराहाट के स्याल्दे बिखोती मेले में चौराहे में बहुत बड़े गोल घेरे में झोड़ा होता था। तब वहाँ ताल व पांव मिलाने में अधिक परेशानी नहह्न होती थी। इसका कारण यह है कि पांव मिलाना नहीं अपितु एक बार दाएं और एक बार बाएं पैर करना होता था। बचपन में मैं अपनी ईजा से कहता था अब मुझे झोड़े में पांव मिलाना आ गया है परन्तु हाथ में हाथ वाले झोड़े में नहीं अपितु कन्धे में हाथ रखकर गाया जाने वाला झोड़ा।

बचपन से आज तक एक या दो बार छोड़कर द्वाराहाट के स्याल्दे बिखोती के मेले में लगभग हर साल मेरी भागीदारी रही है। हमारे गाँव में पहले आधी रात तक झोड़े होते थे। गाँव के बड़े लोग बच्चों को झोड़े में शामिल नहीं करते थे। क्योंकि बच्चे पांव नहीं मिला पाते थे। हम बच्चे अलग आँगन में झोड़े गाते थे। चैत्र माह में एक गते फूलदे त्यौहार के दिन से बैशाख एक गते की सांय तक हमारे गाँव में झोड़े होते थे। पिछले कई सालों से गाँवों में झोड़े लगभग बन्द से हो गए हैं। कुछ जागरूक युवाओं की पहल पर गाँवों में झोड़े गायन की परम्परा पुनः प्रारम्भ हो रही है। हमारे गाँव में हमारे भतीजे कुन्दन की पहल पर झोड़े हो रहे हैं।

इस बार स्याल्दे बिखोती मेले से लगभग 12 दिन पहले मैंने द्वाराहाट अपने एक मित्र से मेले के बारे में जानकारी लेनी चाही। मित्र ने मुझे बताया कि इस बार चुनावी आचार संहिता के कारण स्याल्दे बिखोती मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होंगे। केवल गाँव के लोग नगाड़े के साथ आएंगे। मेले में न तो चर्खा लगेगा और न ही दुकानें लगेंगी। उन्होंने बताया कि मेला कमेटी की बैठक में पुलिस/थानेदार ने हाथ खड़े कर दिए कि चुनाव में पुलिस की व्यवस्था को देखते हुए पुलिस व्यवस्था मेले में नहीं हो पाएगी। मुझे यह जानकर बहुत दुःख हुआ। मैंने द्वाराहाट मेला कमेटी के उपाध्यक्ष सहित लगभग 1 दर्जन लोगों से फोन पर बात की। सबने कहा कि आचार संहिता के कारण इस बार मेले में व्यवस्था नहीं हो पा रही है।

नगर पंचायत द्वाराहाट में नए चुनाव होने हैं। अध्यक्ष/प्रशासक बतौर द्वाराहाट के एसडीएम कार्य देख रहे हैं। उनकी अध्यक्षता में मेला कमेटी/नगर पंचायत कार्य कर रही हैं। स्याल्दे मेला कमेटी/नगर पंचायत द्वाराहाट के सर्वेसर्वा एसडीएम द्वाराहाट ने मेले के लिए कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। बतौर प्रशासक संस्कृति को आगे बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती थी परन्तु आचार संहिता का बहाना बनाकर उन्होंने भी अपनी जिम्मेदारी से हाथ खींच लिए। आचार संहिता में सूचना विभाग की टीमों को बुलाना आचार संहिता का उलंघन हो सकता है लेकिन स्थानीय स्कूलों के बच्चे तथा स्थानीय कलाकार जो साल भर से मेले का इन्तजार करते हैं। उन्हें मंच दिया जा सकता था। यही नहीं चुनावों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम करवाकर शत-प्रतिशत मतदान का कार्यक्रम चलाया जा सकता था। एस. डी.एम. द्वाराहाट तथा मेला कमेटी के दूसरे लोगों को राजकीय बालिका इण्टर कालेज द्वाराहाट की प्रधानाचार्या तनूजा जोशी से सीख लेनी चाहिए, जिन्होंने 'सृजन' संस्था द्वाराहाट द्वारा बिखोती मेले के अवसर पर एम डी स्कूल द्वाराहाट में आयोजित काव्य गोष्ठी में भी 'मतदाता जागरूकता' के गीत के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया। इस सन्दर्भ में मेला समिति के उपाध्यक्ष हेम रावत से मेले से पूर्व मैंने फोन पर बात करने का प्रयास किया। वे तब मुख्यालय से बाहर थे। द्वाराहाट मेले में उनसे बात करने पर उन्होंने बताया कि मेला कमेटी में मेला कमेटी के गाँव से आए सदस्यों के सुझाव पर इस बार सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं कराए गए। उनके अनुसार स्याल्दे मेला द्वाराहाट में मंच पर होने वाले कार्यक्रमों में गाँव वालों को कोई लाभ नहीं होता है। ये बात सही है कि रात के कार्यक्रमों में दूरस्थ गाँवों के लोग नहीं आते हैं किन्तु स्थानीय स्कूलों में पढ़ने वाले स्थानीय गाँव के बच्चों को मेले में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर जरूर मिलता है।

इस बार द्वाराहाट के स्याल्दे कौतिक में चर्खे और दुकानें भी नहीं लगी। मेला कमेटी ने इस बार बाहर से आने वाले दुकानदारों को दुकानें लगाने की अनुमति नहीं दी। मैं 12 अप्रैल यानी बिखोती के दिन द्वाराहाट पहुँच गया था। मैंने देखा सामान से लदा एक ट्रक हल्द्वानी को वापिस जा रहा था। पता चला कि मेला कमेटी वालों ने उसे अनुमति नहीं दी। दुकानदार 15 हजार रुपए बुकिंग पर ट्रक में सामान मेले के लिए लादकर लाया था। ऐसे ही कई ट्रकों के वापिस जाने की खबर है। बाद में मेला कमेटी के उपाध्यक्ष हेम रावत जी से पूछने पर बताया गया कि मेला कमेटी द्वारा निर्धारित शुल्क उसने जमा नही किया। स्याल्दे मेले में स्थानीय गाँव के लोग अपने नीबू, गन्ना तथा रायता व जलेबी बेचने के लिए कहीं न कहीं साल भर इन्तजार करते हैं। इस बार पूरे क्षेत्र में चर्चा थी कि इस बार मेले में दुकानें नहीं लगेंगी। इस कारण गाँव के लोग अपनी दुकान लेकर नहीं आए। बाहरी दुकानदारों के आने से नगर पंचायत की आय में बढ़ोत्तरी होती है। इस पक्ष को प्रशासन के सामने रखा जाना चाहिए था। अलबत्ता मेले में कुछ छोटी दुकानें जरूर लगी थी।

द्वाराहाट मेले में चुनाव की वजह से पुलिस व्यवस्था नहीं होने की चर्चा जरूर थी परन्तु चुनावों की वजह से द्वाराहाट में हजारों पुलिस कर्मी इस बार द्वाराहाट में तैनात थे। जहाँ तक पुलिस का सवाल है। द्वाराहाट क्षेत्र में जब पुलिस थी ही नहीं तब से मेला लगता है। गाँव के लोग अपनी सुरक्षा व्यवस्था अपने हिसाब से करते हैं। इस बात की जानकारी एसडीएम व थानेदार को दी जानी चाहिए थी।

इलैक्ट्रानिक मीडिया के आज के दौर में संस्कृति का ह्रास हो रहा है। यह हम सब जानते हैं। उसके बावजूद द्वाराहाट के लोगों ने अपनी संस्कृति को बचाने की पहल की है। युवा पीढ़ी में कुछ लोग अपने-अपने गाँवों में झोड़ों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। गाँव में नगाड़े बजाने वाले लोग नहीं मिल रहे हैं। गाँव के युवा स्वयं नगाड़ा बजाकर गाँव का नगाड़ा मेले में ले जा रहे हैं। इस बार स्याल्दे मेले में गरख पार्टी में लोक गायक बतौर सयाने लोगों की भागीदारी देखने लायक थे। मुझे याद है स्याल्दे मेले में बीच के दौर में हुड़के च चिमटे आने लगभग बन्द हो गए थे। 5-6 साल पहले हमारे 'आल' दल में एकमात्र हुड़का लिए मैं चल रहा था। मुझे इस बात की खुशी है कि विगत वर्ष हुड़का बजाने वाले 5-6 युवाओं की भागीदारी थी। इस बार लगभग एक दर्जन हुड़का वादक हमारे आल समूह में थे। पूरे मेले में लगभग 2 दर्जन से अधिक हुड़के अलग-अलग समूहों में लोक संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम कर रहे थे। कुछ लोग मानते हैं कि युवा वर्ग अपनी संस्कृति से दूर होता जा रहा है। इस बात में सच्चाई भी है। जब आप द्वाराहाट के स्याल्दे कौतिक में युवाओं के जोश को देखेंगे तो शायद आप ये कहने के लिए तैयार नहीं होंगे। युवाओं को बस दिशा दिए जाने की जरूरत है। जब गाँव का नगाड़ा मेले में जाएगा, तब कोई बहाना भी नहीं बनता है। युवा मेले में खूब मस्ती करते हैं। यद्यपि गाँवों में थोकदार व पधान की व्यवस्था लगभग समाप्त हो चुकी है परन्तु स्याल्दे मेले में अभी भी गाँव के थोकदार या पधानों का अस्तित्व देखने को मिलता है। आल समूह में इस बार गाँव वालों ने थोकदार परिवार के एक बच्चे को बकायदा फूल माला पहिनाकर अगुवा बतौर मेले में सम्मान दिया था।

द्वाराहाट और समूचे पाली पछाऊं में होने वाले छोलिया नृत्य को 'सरंकार' कहा जाता है। पिथौरागढ़ तथा कुमाऊँ के अन्य क्षेत्रों में छोलिया नृत्य के कलाकार जहाँ घाघरा पहिनकर छोलिया नृत्य के तहत श्रृंगार आधारित नृत्य करते हैं। वहीं द्वाराहाट क्षेत्र का छोलिया नृत्य वीर रस पर आधारित होता है। सरंकार नृत्य में गैंडे की खाल वाली ढाल तथा लम्बी तलवार से कलाकार युद्ध का प्रदर्शन करते हैं। सरंकार दो राजाओं के बीच युद्ध का प्रतीक है। कलाकार चूड़ीदार पजामा अचकन पहिनते हैं। यद्यपि सरंकार के कलाकार भी क्षेत्र में कम होते जा रहे हैं लेकिन बूंगा तथा भौंरा आदि गाँवों में नई पीढ़ी के छोटे बच्चे भी इस विधा में पारंगत हो रहे हैं।

इस वर्ष चुनावों को देखते हुए आचार संहिता का हवाला देते हुए प्रशासन ने मेले की उपेक्षा की। उसके बावजूद गाँव वालों की सक्रिय भागीदारी से मेला बहुत ही शांतिपूर्वक ढंग से सम्पन्न हुआ। सभी गाँवों में अलग-अलग राजनैतिक दलों से सम्बद्ध लोग होंगे। उसके बावजूद गाँववालों ने आपसी सद्भाव से मेले में भागीदारी की। मेला कमेटी अध्यक्ष तथा नगर पंचायत के प्रशासक बतौर प्रशासन मेले को और भव्य बना सकते थे, स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने भी प्रशासन के सामने अपना पक्ष नहीं रखा। इस कारण द्वाराहाट का स्याल्दे बिखोती मेला इस बार प्रशासन व मेला कमेटी की भेंट चढ़ गया।

## जून से भारत-नेपाल के बीच वाहनों का आवागमन, सुविधा मिलेगी

धारचूला। भारत-नेपाल सीमा के बीच पहली बार वाहनों के आवागमन की तैयारी है, इससे यात्रियों को सुविधा मिलेगी। धारचूला तहसील के छारछुम में मोटर पुल बनकर तैयार है, जिसे जून में आवाजाही के लिये खोलने की बात कही गई है। इससे दोनों देशों बीच आवाजाही और व्यापार व्यापारकि सम्बन्ध मजबूत होंगे।

बताते चलें कि पिथौरागढ़ जिले से नेपाल के बैतड़ी, डडेलधुरा, दार्चुला और बजांग जिले लगे हुए हैं। नेपाल और भारत के बीच सीमाओं पर नौ झूलापुल बने हैं। इन्हीं से आवागमन होता है। इसी प्रकार चम्पावत जिले के बनबसा व नेपाल के ब्रह्मदेव से आना जाना होता है। दोनों देशों के लोग लम्बे समय से काली नदी पर मोटर पुल बनाए जाने की मांग उठा रहे थे। इस जरूरत को महसूस करते हुए भारत सरकार ने छारछुन में मोटर पुल की स्वीकृति दी थी। 32 करोड़ की धनराशि स्वीकृति होते ही यह कार्य हो गया। लोनिवि अस्कोट ने छारछुन में 110 मीटर लम्बा और मीटर चौड़ा पुल तैयार कर दिया है। इसमें आवागमन की तैयारी है।

## पर्यटन सीजन में गौलापार स्टेडियम से नैनीताल को शटल सेवा

हल्द्वानी। पर्यटन सीजन के दबाव को देखते हुए पुलिस ने यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। एसपी हरबंश सिंह ने सर्किल के थाना व चौकी प्रभारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उनका कहना है कि पर्यटक वाहनों का दबाव बढ़ने पर यातायात व्यवस्था न गड़बड़ाए इसके लिये तीन चरणों में व्यवस्था बनाई जाएगी। इन चरणों में डायवर्जन, पार्किंग व शटल बस सेवा शामिल रहेगी।

पहले चरण में सभी वाहन विभिन्न रूट से सीधे नैनीताल जा सकेंगे। दूसरे चरण में नैनीताल में वाहनों का दबाव अधिक होने या पार्किंग फुल होने पर वाहनों को रूसी बाईपास हल्द्वानी रोड पर रोका जाएगा। यहाँ से शटल सेवा के माध्यम से पर्यटक नैनीताल में प्रवेश करेंगे। तीसरे चरण में रूसी बाईपास कालाढूंगी रोड व हल्द्वानी रोड पर वाहनों पर दबाव अधिक हुआ तो पर्यटक वाहनों को कालाढूंगी व हल्द्वानी गौलापार स्टेडियम में पार्क किया जाएगा। फिर पर्यटक यहीं से शटल सेवा के माध्यम से नैनीताल में प्रवेश करेंगे। एसपी यातायात ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस अपने स्तर से प्रयास करेगी कि जाम न लगे। डायवर्जन प्वाइंटों पर फ्लेक्सी बोर्ड लगाए जाएंगे।

## माइग्रेशन करने वाली ग्राम पंचायतों को सेटेलाइट फोन सुविधा मिले

मुनस्यारी। मल्ला जोहार के माइग्रेशन करने वाली ग्राम पंचायतों को सेटैलाइन फोन सुविधा मिलनी चाहिये ताकि आपात काल में सुरक्षा इन्तजाम हों और सीमान्त क्षेत्र के रखवालों की सुधबुध बनी रहे।

ज्योति देवेन्द्रा मिलन केन्द्र में मल्ला जोहार विकास समिति द्वारा आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने पैदल मार्ग और पुलों की मरम्मत नहीं होने पर नाराजगी जताई और माइग्रेशन करने वाली सभी ग्राम पंचायतों को एक-एक सेटेलाइट फोन उपलब्ध कराने के लिये प्रशासन से अनुरोध किया। कहा कि माइग्रेशन में अपने गाँवों को चले जाते हैं तो उनका मुनस्यारी सहित सभी क्षेत्रों से सम्पर्क कट जाता है। किसी के बीमार पड़ने पर उसकी सूचना तहसील मुख्यालय को देने के लिये उनके पास कोई माध्यम नहीं है। यह भी कहा कि उनके गाँवों तक पहुँचने से पूर्व स्वास्थ्य विभाग दवाईयां, खाद्य विभाग राशन की व्यवस्था करे। भारी हिमपात से भी पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त रहती हैं, इनकी मरम्मत हो। मांग की कि लीलम में पशु चिकित्सा टीम तैनात की जाए। अपने गाँव जाने के लिये मात्र आधार कार्ड चाहिये, इसलिये कोई उत्पीड़न न हो।

## अनिवार्य स्थानान्तरण में कितना न्याय होगा?

हल्द्वानी। प्रदेश के महाविद्यालयों में प्रोफेसरों के तबादलों की तैयारी है। वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम के तहत सुगम और दुर्गम श्रेणी के कालेजों में विषयवार सम्भावित रिक्तियों की सूची जारी की है। इस दायरे में करीब 980 प्राध्यापक जा रहे हैं इनमें से 679 शिक्षक पहाड़ से मैदान और 301 मैदान से पहाड़ जाएंगे। अब सवाल यह उठता है कि अनिवार्य स्थानान्तरण की प्रक्रिया में कितना न्याय होगा? देखने में आया है कि एमबीपीजी हल्द्वानी में वर्षों से जमे महानुभावों को कोई नहीं हिला पा रहा है। यही स्थिति अन्य जगह भी है। कहने को स्थानान्तरण का यह खेल बराबर चलता रहता है और यह भी स्वाभाविक है कि सभी अपने घर पर रहना चाहेंगे लेकिन न्यायपूर्ण व्यवस्था में सबसे पहले उनका नम्बर आना चाहिये जो पूरा समय सुगम में ही या अपने घर के आस-पास गुजार देते हैं। ऐसे में दूरस्थ सेवा करने वाले न्याय से वंचित रहते हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

'कालयुक्त' नाम संवत्सर २०८१ विक्रमी प्रारम्भ होने की शुभकामनाओं के साथ-

**उत्तम सिंह पांगती**
से.नि.जज
जोहार नगर भोटिया पड़ाव
हल्द्वानी

**चन्द्र सिंह मर्तोलिया**
से.नि. वन क्षेत्राधिकारी
जोहार नगर भोटिया पड़ाव
हल्द्वानी

**राजेन्द्र सिंह कुटियाल**
एडवोकेट
कालिका, धारचूला

**डॉ. वाई.एस.धर्मशक्तू**
विजयधाम, जोहार नगर
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

न तेरा न मेरा Thats
**APNA GHAR चौकोड़ी**
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-
( माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर )
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

**Hotel**
**Bala Paradise**
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

**Hayat Paradise**
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of Himalaya at
**MARTOLIA LODGE**
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर
घर का सा
**होटल**
**लक्ष्य इन**
**मदकोट**
सम्पर्क
7351285555

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र
हिमालय संगीत
शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

**MARTOLIA FURNITURE**
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

**धमोत होम स्टे**
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com


Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)